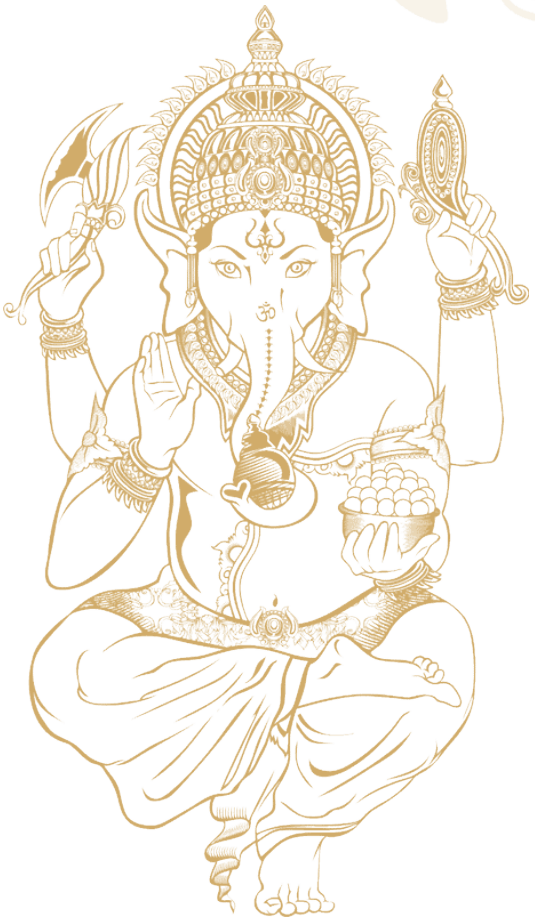

Mr.

14 Mar 2026

07:52 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121579703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:52:00 घंटे**
इष्ट	03:18:46 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:30:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:13 घंटे
साम्पातिक काल	18:57:46 घंटे
सूर्योदय	06:32:29 घंटे
सूर्यास्त	18:28:42 घंटे
दिनमान	11:56:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:17:10 कुम्भ
लग्न के अंश	26:09:39 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:09:39	497:24:43	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	29:17:10	00:59:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	29:08:07	12:19:33	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:50:15	00:47:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	16:35:45	00:41:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:36	00:00:35	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:16:56	01:14:28	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:05:35	00:07:25	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:41:31	00:01:33	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:41:31	00:01:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:51:29	00:01:54	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:18:08	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:38:16	00:01:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	19:04:14	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

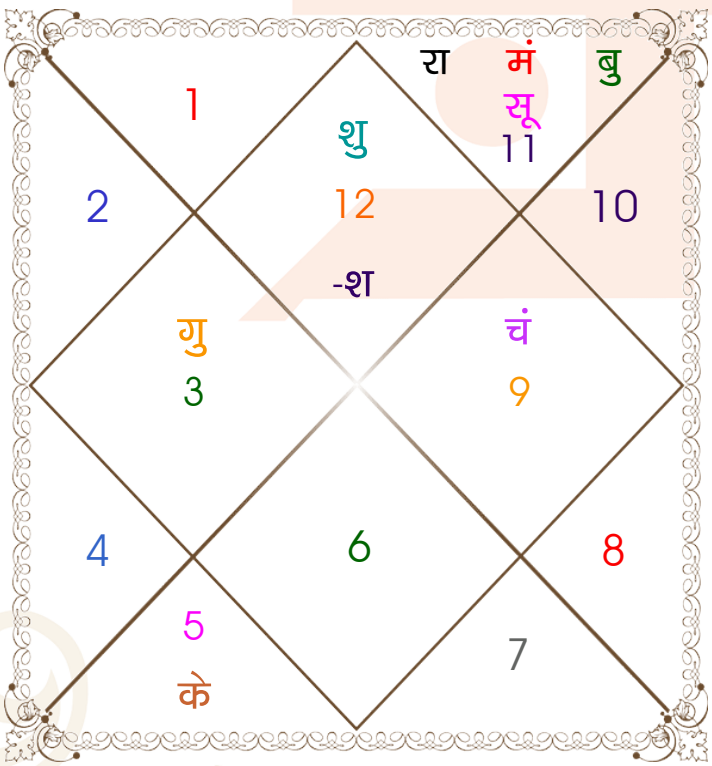

चन्द्र कुंडली

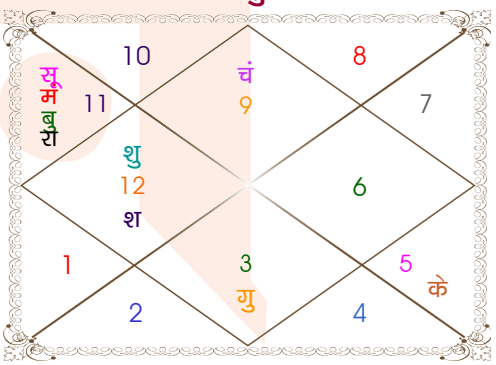

नवमांश कुंडली

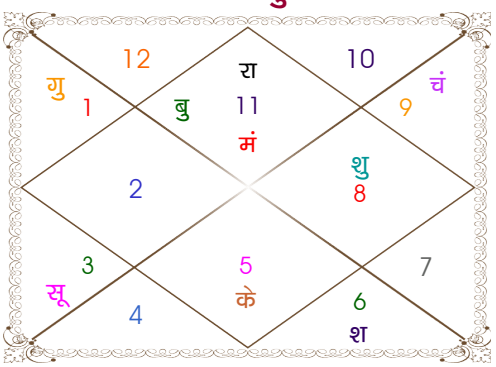

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 10 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/03/2026		02/02/2031		01/02/2041		02/02/2048		01/02/2066	
02/02/2031		01/02/2041		02/02/2048		01/02/2066		01/02/2082	
	00/00/0000	चंद्र	03/12/2031	मंगल	30/06/2041	राहु	15/10/2050	गुरु	22/03/2068
	14/03/2026	मंगल	03/07/2032	राहु	19/07/2042	गुरु	10/03/2053	शनि	03/10/2070
मंगल	28/03/2026	राहु	02/01/2034	गुरु	25/06/2043	शनि	15/01/2056	बुध	08/01/2073
राहु	20/02/2027	गुरु	04/05/2035	शनि	02/08/2044	बुध	03/08/2058	केतु	15/12/2073
गुरु	09/12/2027	शनि	02/12/2036	बुध	31/07/2045	केतु	21/08/2059	शुक्र	15/08/2076
शनि	20/11/2028	बुध	04/05/2038	केतु	27/12/2045	शुक्र	21/08/2062	सूर्य	03/06/2077
बुध	26/09/2029	केतु	03/12/2038	शुक्र	26/02/2047	सूर्य	16/07/2063	चंद्र	03/10/2078
केतु	01/02/2030	शुक्र	02/08/2040	सूर्य	04/07/2047	चंद्र	14/01/2065	मंगल	09/09/2079
शुक्र	02/02/2031	सूर्य	01/02/2041	चंद्र	02/02/2048	मंगल	01/02/2066	राहु	01/02/2082

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/02/2082		02/02/2101		02/02/2118		02/02/2125		02/02/2145	
02/02/2101		02/02/2118		02/02/2125		02/02/2145		00/00/0000	
शनि	04/02/2085	बुध	02/07/2103	केतु	01/07/2118	शुक्र	04/06/2128	सूर्य	23/05/2145
बुध	15/10/2087	केतु	28/06/2104	शुक्र	01/09/2119	सूर्य	04/06/2129	चंद्र	21/11/2145
केतु	23/11/2088	शुक्र	29/04/2107	सूर्य	06/01/2120	चंद्र	03/02/2131	मंगल	15/03/2146
शुक्र	24/01/2092	सूर्य	04/03/2108	चंद्र	06/08/2120	मंगल	04/04/2132		00/00/0000
सूर्य	05/01/2093	चंद्र	04/08/2109	मंगल	03/01/2121	राहु	04/04/2135		00/00/0000
चंद्र	06/08/2094	मंगल	01/08/2110	राहु	21/01/2122	गुरु	03/12/2137		00/00/0000
मंगल	15/09/2095	राहु	17/02/2113	गुरु	28/12/2122	शनि	02/02/2141		00/00/0000
राहु	22/07/2098	गुरु	26/05/2115	शनि	06/02/2124	बुध	04/12/2143		00/00/0000
गुरु	02/02/2101	शनि	02/02/2118	बुध	02/02/2125	केतु	02/02/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 10 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।